



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 12, 1977/माघ 23, 1898

No. 7]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 12, 1977/MAGHA 23, 1898

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के धारणा, उपनियम प्रादि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1977

सां०कां०सि० 186.—लोक सभा सचिवालय (सर्ती और सेवा की
सर्त) नियम, 1955 के नियम 23 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का उपयोग करते
हुए अध्वक्ष एतद् द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. नाम और प्रवर्तन.—(1) ये नियम "लोक सभा सचिवालय की
धनुषहू निधि का विनियमन करने वाले नियम" कहलायेंगे।

(2) ये नियम 3 जनवरी, 1977 से लागू होंगे।

2. स्थापना.—लोक सभा सचिवालय की धनुषहू निधि वार्षिक अनुदान
द्वारा स्थापित तथा पोषित की जायेगी जिसके लिये प्रति वर्ष बजट में
ध्वस्त्या की जायेगी। इस निधि का प्रबन्ध एक समिति द्वारा किया जायेगा
जिसमें एडिशनल सक्लेटरी (ए), एडिशनल सक्लेटरी (बी) तथा डायरेक्टर
आफ लाइब्रेरी, रिकॉर्ड, रिसेच आर्युमेंटेशन एंड इंफार्मेशन सर्विस होंगे तथा
इसके लिये महा सचिव की पूर्ण अनुमति और स्वीकृति लेनी होगी।
सीनियर पर्सोनल एंड एग्जीक्यूटिव आफिसर (एस्टेब्लिशमेंट)/सेनियर
आफिसर समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

3. पाठ्यता.—इस निधि का उद्देश्य लोक सभा सचिवालय के सेवा के
दौरान करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के परिवारों को सहायता
देना है।

4. धारणन-पत्र.—ऐसे किसी धारणन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा
जो अधिकारी की मृत्यु की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर नहीं
दिया जायेगा, जब तक कि बिलंब के लिये पर्याप्त स्पष्टीकरण न दिया गया
हो। यह धारणा की जाती है कि अधिकारी की मृत्यु के बाद ऐसा धारणन-
पत्र शीघ्र दिया जाना चाहिये।

5. सहायता अनुदान की राशि मंजूर किये जाने संबंधी सर्तें.—
(एक) निधि से सहायता अनुदान की राशि केवल उन्हीं मामलों में दी
जायेगी, जहाँ परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत शोचनीय होगी।

(दो) विद्वगत अधिकारी का सरकारी कर्मचारी के रूप में सेवा रिकार्ड
उल्लेखनीय होना चाहिये। जिसकी सेवा जितनी अधिक उल्लेखनीय होगी
उसका प्राप्ता उतना ही अधिक पृष्ठ होना चाहिये।

(तीन) कर्तव्य-परायणता की विशेष भावना से हुये निधन का मामला
ऐसे धारणे का पृष्ठ आधार माना जायेगा।

(चार) साधारणतः ऐसे अधिकारियों के मामलों में प्राथमिकता दी
जायेगी जिन्होंने अधिक वर्षों तक सेवा की होगी।

(पांच) अन्य बातों के समान होने पर, उन अधिकारियों के मामलों में
प्राथमिकता दी जायेगी, जिनका वेतनमान अपेक्षाकृत कम होगा।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1977

सं० का० वि० 197—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, प्राकामवाणी (श्रेणी 3 पद) भर्ती नियमावली, 1964 में अनिश्चित संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों को प्राकामवाणी (श्रेणी 3 पद) भर्ती (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 1976 कहा जा सकेगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रचलन में होंगे।

2. प्राकामवाणी (श्रेणी 3 पद) भर्ती नियमावली, 1964 की अनुसूची में, "पुस्तकाध्यक्ष (वरिष्ठ)" के पद से सम्बन्धित क्रम संख्या 73 के सम्मुख, कालम 12 के अन्तर्गत प्रविष्टियों में "राज्य या राज्यों के समूह" शीर्ष के अन्तर्गत, मद संख्या 12 के बाद निम्नलिखित मद संख्या अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

13. राजस्थान
14. उत्तर प्रदेश
15. पश्चिम बंगाल।

[संख्या 1/3/74-बी(ए)]

एम० एन० टण्डन, प्रवर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 19th January, 1977

G.S.R. 197.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules, 1964, namely:—

1. (1) These rules may be called the All India Radio (Class III posts) Recruitment (Fourth Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules, 1964, against serial number 73 relating to the post of "Librarian (Senior)", in the entries in column 12, under the heading "States or Group of States", after item 12, the following items shall be inserted, namely:—

13. Rajasthan
14. Uttar Pradesh
15. West Bengal "

[No. 1/3/74-B(A)]

M. L. TANDON, Under Secy.

भ्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1976

सं० का० वि० 198—केन्द्रीय सरकार, लौह अयस्क खान भ्रम कल्याण उपकर अधिनियम, 1941 (1961 का 58) की धारा 8 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लौह अयस्क खान भ्रम कल्याण उपकर नियम, 1963 का निम्नलिखित प्रारूप जैसा कि उक्त धारा की उपधारा (1) में प्रपेक्षित है, उन सभी व्यक्तियों को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके-उससे प्रभावित होने की सम्भावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिश्चित अधिध से पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की शक्ति जो भी प्राधेय या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उस पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम लौह अयस्क खान भ्रम कल्याण उपकर (प्रथम संशोधन) नियम, 1977 है।

2. लौह अयस्क खान भ्रम कल्याण उपकर नियम, 1963 में:—

(1) नियम 49 में

(i) उप नियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा; अर्थात्:—

"इस अधिनियम के अधीन उत्पाद शुल्क के रूप में वसूल की गई उपकर की राशि प्राप्ति शीर्षक "038—सघ उत्पाद शुल्क—डी० माम पर उपकर—लौह अयस्क" में जमा कर दी जाएगी और लौह अयस्क खान उपकर आवृत्त उसके समाधान के लिए उतरवायी हाने तथा इस अधिनियम के अधीन सीमा-शुल्क के रूप में सीमा-शुल्क विभाग द्वारा वसूल की गई उपकर की राशि प्राप्ति शीर्षक "037—सीमा-शुल्क—नियमित पर उपकर—लौह अयस्क" में जमा की जाएगी।

(ii) उप-नियम 2 में खण्ड 'न' निक्षेप और अधिदाय—भाग 2-1 ब्याज रहित निक्षेप (ख) "प्रारम्भित निधि लौह अयस्क खान भ्रम कल्याण निधि" पद के स्थान पर "लौह अयस्क खान भ्रम कल्याण निधि" खण्ड ख में प्रारम्भित निधि (ख) मुख्य ग्रीष्म शीर्ष ब्याज रहित प्रारम्भित निधि के स्थान पर "829—विकास और कल्याण निधि—खान कल्याण निधि" पद रखा जाएगा।

(iii) उप नियम 3 में "32—प्रकारण सामाजिक और विकास संगठन—भ्रम और रोजगार" पद के स्थान पर "087—भ्रम और रोजगार—भ्रम निधि के अधीन प्राप्ति, लौह अयस्क खान भ्रम कल्याण उपकर अधिनियम/नियम के अधीन प्राप्ति" पद रखा जाएगा।

(2) अनुसूची में "3—श्रीप्राप्तय के लिए शीपधियों, शक्य उपकरणों, मरहम पट्टी इत्यादि" शीर्षक के अधीन:—

(i) उप-शीर्ष "क—श्रीप्राधि" के अन्तर्गत के नये मदया और प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित नये मदया और प्रविष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात्:—

1. एमिड ऐसेटिक
2. एमिड बोरिक
3. एमिड कार्बोमिक
4. एमिड ऐलिसेनिक
5. घाब्ला डिस्टिलाटा
6. एसोनियम कार्बोनेट
7. एम्पिरिन
8. जेन्सिएन बायलेट
9. डेन्डिफेस मोल्युगान
10. क्लामिन प्रिपरेटा
11. इफेड्राइन ट्राइहायड्रेट (1/2 घाम टेब्लेट)
12. ईथर
13. इक्वेट्रीकट क्ला० गिनिपड
14. फेरी मुक्त टेब्लेट्स फिर्मोलेट
15. ग्लूकोज पाउडर एण्ड इजेक्शन
16. ग्लोसेरीन